कार्यालयाध्यक्ष : **श्री आर0 के0 अस्थाना**
टेलीफोन / मोबाइल नं0 : 01334–239377 / 08057146608
तल / कक्ष संख्या : धरातल / कक्ष संख्या–18
ई–मेल : dstoharidwar@gmail.com

विभाग का संक्षिप्त परिचय : कार्यालय अर्थ एवं संख्या विभाग मुख्यतः जनपद स्तरीय डाटा बैंक का कार्य करता है। जिला योजना का नियोजन तथा बीस सूत्री कार्यक्रम के क्रियान्वयन सम्बन्धी कार्य प्रमुख कार्य हैं। विभाग द्वारा विश्वस्तरीय एवं सम्यक आंकडों का प्रकाशन एवं रखरखाव किया जाता है। राष्ट्रीय महत्व के कार्यक्रम जैसे राज्य आय अनुमान, उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण एवं आर्थिक गणना सम्बन्धी कार्य मुख्य रूप से सम्पादित किये जाते हैं। विभाग द्वारा सम्पादित किये जा रहे प्रमुख कार्य निम्नानुसार है :–

1– जिला योजना :– क्षेत्रीय असन्तुलन, बेरोजगारी व गरीबी उन्मूलन तथा स्थानीय विकास की अवधारणा को दृष्टिगत रखते हुये 80 के दशक से जिला योजना का प्रारम्भ किया गया है। जिसके अन्तर्गत जनपद के सन्तुलित विकास को दृष्टिगत रखते हुये योजनाओं को प्रस्तावित किया जाता है। वर्तमान में जिला नियोजन समिति से अनुमोदित योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

2– बीस सूत्री कार्यक्रम :– बीस सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत लक्ष्यानुसार विकास की अवधारणा को प्रेरित किया जाता है। इसके अन्तर्गत भारत सरकार रोजगार परक् एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम की मदों की रैंकिग करती है। रैंकिग के आधार पर जनपद एवं राज्य के विकास का मूल्यांकन किया जाता है।

3– राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण :– राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एन0एस0एस0) के माध्यम से भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्र की आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुये प्रत्येक वर्ष विभिन्न आर्थिक एवं सामाजिक विषयों पर प्रतिदर्श के आधार पर चयनित इकाईयों से सर्वेक्षण कर प्राप्त आंकड़ों का राज्य स्तर पर विश्लेषण किया जाता है। जिनका प्रयोग विभिन्न आर्थिक एवं सामाजिक निष्कर्षों के आधार पर देश के नियोजित विकास एवं नीति निर्धारण में किया जाता है।

4— **प्रकाशन** :— इस कार्यालय द्वारा कई महत्वपूर्ण प्रकाशन किये जाते है, जिसमें **सांख्यिकी पत्रिका** विश्वसनीय आंकडों का जनपद स्तर पर एक प्रमुख प्रकाशन है। यह प्रत्येक वर्ष सम्यक् आंकडों के साथ प्रकाशित की जाती है। **सामाजार्थिक समीक्षा** में जनपद की सामाजिक—आर्थिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रकाशित की जाती है। यह प्रतिवर्ष प्रकाशित की जाती है। **जनपद एक दृष्टि में** जनपद की प्रमुख सामान्य सूचनाओं के साथ—साथ कुछ प्रमुख विभागों द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों की उपलब्धियॉ प्रकाशित की जाती है। यह भी प्रत्येक वर्ष प्रकाशित की जाती है।

5— **नवाचार निधि :—** नवाचार निधि के अन्तर्गत जनपद स्तर पर अभिनव फण्ड के माध्यम से ऐसे क्षेत्रों में रोजगार एवं परिसम्पत्ति सृजन को बढावा देना, जो परम्परागत क्षेत्रों से भिन्न हों, हेतु प्रारम्भ की गयी है।

6— **राज्य आय अनुमान सम्बन्धी कार्य :**— राज्य आय अनुमान के आंकलन हेतु जनपद के ग्रामीण/नगरीय क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से बाजार भाव एवं मजदूरी दरों का मासिक/त्रैमासिक संकलन किया जाता है। जिनका उपयोग राज्य की प्रतिव्यक्ति आय निकालने में किया जाता है।

7— **वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण :—** वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण के अन्तर्गत सैंपल के आधार पर विभिन्न सेक्टर के उद्योगों का चयन करते हुये उद्योगों के आय—व्यय का मूल्यांकन किया जाता है। मूल्यांकन के आधार पर प्राप्त निष्कर्ष का उपयोग राज्य आय अनुमान तथा उद्यमिता क्षेत्र के आंकलन हेतु किया जाता है।

8— **सांख्यिकीय आंकडों के सुदृढीकरण सम्बन्धी कार्य :—** भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा सांख्यिकीय आंकडों के सुदृढीकरण हेतु विभिन्न पायलट प्रोजेक्टों के माध्यम से आंकडों की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता हेतु समय—समय पर सर्वेक्षण कार्य कराये जा रहे है। वर्तमान में चयनित सात विभागों द्वारा पंजीकृत उद्यमों के आंकडों का सुदृढीकरण किया जा रहा है। इसी प्रकार समय—समय पर रोजगार की स्थिति के आंकलन हेतु पायलट स्टडी के माध्यम से आंकडों का संकलन किया जाता है। उक्त सर्वेक्षण के निष्कर्ष के आधार पर भारत—सरकार सेक्टरवार रोजगार की स्थिति का मूल्यांकन करते हुये रोजगार सम्बन्धी नीति निर्धारित करती है।